

भारत सरकार
Government of India
केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो
CENTRAL TRANSLATION BUREAU
राजभाषा विभाग : गृह मंत्रालय
Deptt. of Official Language: Ministry of Home Affairs

पं. दीन दयाल अंत्योदय भवन, ४वां तल,
Pt. Deen Dayal Antyodaya Bhawan, 8th Floor,
केंद्रीय कार्यालय परिसर, लोदी रोड,
C.G.O. Complex, Lodhi Road,
नई दिल्ली-110003.

दिनांक : 24.07.2026

परिपत्र

विषय: केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो और केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान की संयुक्त पत्रिका 'अनुशीलन' के आगामी अंक के प्रकाशन के सन्दर्भ में।

केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो और केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा पत्रिका 'अनुशीलन' के आगामी अंक का प्रकाशन किया जाना है।

इस अंक के लिए निम्नलिखित विषयों पर सरल और सहज हिंदी में उत्कृष्ट लेख आमंत्रित किए जाते हैं-

अनुवाद संबंधी विषय -

1. केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, एक परिचय
2. अनुवाद कार्य की चुनौतियाँ और समाधान
3. वर्तमान में अनुवाद की प्रासंगिकता और महत्व
4. अनुवाद का इतिहास
5. सूचना प्रौद्योगिकी आधारित अनुवाद: समस्याएँ एवं समाधान
6. अनुवाद में व्यतिरेकी विश्लेषण
7. विदेशी साहित्य के हिंदी में अनुवाद की समस्याएँ
8. अनुवाद की प्रक्रिया
9. अनुवाद में भाषा व्यवहार
10. असांविधिक साहित्य का अनुवाद
11. भाषा सम्प्रेषण में अनुवाद की भूमिका
12. अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद की चुनौतियाँ और समाधान
13. अनुवाद में पुनरीक्षण का महत्व
14. राजभाषा नीति और इसके कार्यान्वयन में अनुवाद की भूमिका
15. कार्यालयीन हिंदी का बदलता स्वरूप, समस्याएँ और समाधान

16. अनुवाद का सरलीकरण
17. हिंदी में उपलब्ध यांत्रिक सुविधाएं
18. क्षेत्रीय भाषाओं और राजभाषा हिंदी के बीच अनुवाद के संदर्भ में परस्पर समन्वय
19. सांस्कृतिक सेतु के रूप में अनुवाद की भूमिका
20. अनुवाद प्रशिक्षण की आवश्यकता एवं महत्व
21. अन्य कोई विषय जो केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के कार्यकलापों से संबंधित हों।

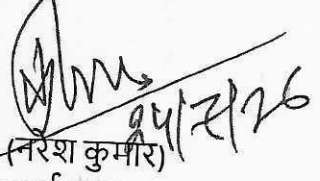
केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान एवं हिंदी शिक्षण योजना संबंधी विषय -

1. केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान एवं हिंदी शिक्षण योजना : एक परिचय
2. भाषा प्रशिक्षण की आवश्यकता क्यों?
3. विभिन्न क्षेत्रों में भाषा प्रशिक्षण की चुनौतियाँ
4. हिंदी भाषा प्रशिक्षण में शैक्षणिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग
5. सामासिक संस्कृति और हिंदी
6. सरकारी कार्मिकों के हिंदी प्रशिक्षण में बाधाएं एवं उनका निराकरण
7. क्षेत्रीय भाषाएं एवं हिंदी प्रशिक्षण
8. प्रशासनिक और सरकारी कामकाज हेतु सुगम हिंदी
9. आम बोलचाल की भाषा एवं सरकारी हिंदी
10. सुलभ टिप्पण आलेखन
11. सरकारी कार्मिकों को हिंदी प्रशिक्षण के सेवाकालीन लाभ
12. हिंदी भाषा परीक्षाओं हेतु तैयारी
13. वर्तमान युग में हिंदी भाषा की बढ़ती उपयोगिता
14. संपर्क भाषा के रूप में स्थापित होती हिंदी
15. हिंदी भाषा विज्ञान का ऐतिहासिक और वैज्ञानिक महत्त्व
16. प्रशासनिक कार्यों में ई-गवर्नेंस और हिंदी शब्द संसाधन/हिंदी टंकण की उपयोगिता और चुनौतियाँ
17. हिंदी शब्द-संसाधन/हिंदी टंकण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव
18. सूचना प्रौद्योगिकी और राजभाषा हिंदी: यूनिकोड की भूमिका और महत्व
19. कंप्यूटर पर देवनागरी में हिंदी टंकण: विकास, वर्तमान स्थिति और भविष्य
20. वैश्वीकरण के दौर में राजभाषा हिंदी की प्रासंगिकता और प्रशासनिक उत्तरदायित्व
21. केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में राजभाषा नीति का कार्यान्वयन और वार्षिक कार्यक्रम की महत्ता
22. राजभाषा के कार्यान्वयन में हिंदी आशुलिपिकों और टंककों का योगदान
23. हिंदी आशुलिपि और कंप्यूटर शब्द संसाधन/हिंदी टंकण: एक पूरक संबंध
24. डिजिटल युग में हिंदी आशुलिपि की प्रासंगिकता और उपयोगिता
25. आधुनिक कंप्यूटर युग में अनुवादकों की चुनौतियाँ और देवनागरी में शब्द संसाधन/हिंदी टंकण की चुनौतियाँ और समाधान
26. तकनीकी नवाचार और कंप्यूटर पर देवनागरी लिपि में शब्द संसाधन
27. मोबाइल गवर्नेंस और देवनागरी एवं भारतीय भाषाओं में शब्द संसाधन: मोबाइल ऐप और सोशल मीडिया का प्रभाव
28. हिंदी में वर्तनी मानकीकरण और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर की सीमाएं
29. हिंदी आशुलिपि और व्यावसायिक कौशल
30. आधुनिक कार्यालय प्रबंधन और हिंदी आशुलिपि व टंकण कौशल

31. हिंदी आशुलिपि संवर्धन: पारंपरिक प्रणालियों और आधुनिक प्रशिक्षण विधियों का तुलनात्मक अध्ययन
32. अन्य कोई विषय जो केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान एवं हिंदी शिक्षण योजना के कार्यक्रमों से संबंधित हों।

इस अंक में प्रकाशन के लिए लेखों के चयन के संबंध में अंतिम निर्णय केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो/केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान का होगा। लेख 'मंगल फॉन्ट' (वर्ड फाइल) में टाइप किए हुए, व्याकरणिक एवं तथ्यात्मक दृष्टि से सही तथा अधिकतम 2000 शब्दों तक हो सकते हैं। शोध से संबंधित लेखों में शब्द सीमा 3000 तक हो सकती है। लेखक अपने नाम, पता, ईमेल एवं संपर्क संख्या सहित इस आशय का एक स्व-हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र भी अनिवार्य रूप से संलग्न करें कि लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है और इसे अन्यत्र प्रकाशनार्थ नहीं भेजा गया है। कृपया लेख (फोटो सहित) दिनांक 10.08.2026 सांय 5.30 बजे तक ई-मेल आई डी anusheelanctb@gmail.com पर भेजना सुनिश्चित करें।

यह सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है।


(नरेश कुमार)
संयुक्त निदेशक एवं कार्यालयाध्यक्ष
केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रतिलिपि :

1. समस्त केंद्र, केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो।
2. संयुक्त निदेशक (हिंदी टंकण/हिंदी आशुलिपि) एवं कार्यालयाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली।
3. उपनिदेशक (हिंदी टंकण/हिंदी आशुलिपि), टंकण पत्राचार एकक/सहायक निदेशक, भाषा पत्राचार/कार्यशाला/अल्पकालिक गहन भाषा प्रशिक्षण एकक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, 2-ए, पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली।
4. सहायक निदेशक (हिंदी टंकण एवं हिंदी आशुलिपि), अनुसंधान एवं विश्लेषण एकक हिंदी टंकण एवं हिंदी आशुलिपि, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली को इस निदेश के साथ कि वे इस परिपत्र के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु इसे केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड करें।
5. सहायक निदेशक (भाषा), अनुसंधान एवं विश्लेषण एकक (भाषा), केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, सीजीओ कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली।
6. समस्त कार्यालयाध्यक्ष/उप निदेशक/सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना (परीक्षा/मध्योत्तर/पूर्व/पश्चिम/दक्षिण/पूर्वोत्तर), नई दिल्ली/कोलकाता/मुंबई/चेन्नई/गुवाहाटी को इस अनुरोध के साथ कि वे अपने अधीनस्थ कार्यालयों एवं कार्मिकों में व्यापक रूप से प्रसारित करें।

1. The first part of the report deals with the general situation of the country and the progress of the work during the year.

2. The second part of the report deals with the results of the work done during the year. It is divided into two sections: the first section deals with the results of the work done in the field, and the second section deals with the results of the work done in the laboratory.

3. The third part of the report deals with the conclusions drawn from the results of the work.

4. The fourth part of the report deals with the recommendations made by the committee.

5. The fifth part of the report deals with the summary of the work done during the year. It is divided into two sections: the first section deals with the summary of the work done in the field, and the second section deals with the summary of the work done in the laboratory.

6. The sixth part of the report deals with the conclusions drawn from the results of the work. It is divided into two sections: the first section deals with the conclusions drawn from the results of the work done in the field, and the second section deals with the conclusions drawn from the results of the work done in the laboratory.